हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 08 : जौनपुर, सोमवार 02 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज - 4 मूल्य : 2 रूपया

तीर्थ स्थल के लिए रुपए की कमी नहीं : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज रविवार को 88 हजार ऋषियों की तपोभूमि नैमिषारण्य पहुंचे। उन्होंने चक्रतीर्थ पहुंचकर दर्शन पूजन किया और संतों व पुरोहितों के साथ वार्ता की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीर्थस्थल पर झाडू लगाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नैमिषारण्य घ्के विकास के लिए रुपए की कमी नहीं है। हम यहां इतना रुपए देना चाहते हैं कि नैमिषारण्य की वैदिक और पौराणिक काल से जो पहचान है, वह फिर से स्थापित हो सके। उन्होंने कहा कि राजधानी लखनऊ के नजदीक होने के बाद भी पहले नैमिषारण्य की स्थिति दीपक तले अंधेरा जैसे थी। हम लोगों ने यहां कई कार्य कराए। लखनऊ से नैमिषारण्य के कारण इलेक्ट्रिक बस सेवा प्रारंभ होने जा रही है। लखनऊ से यहां के लिए हेलिकॉप्टर सेवा भी शुरू कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम नैमिषारण्य का विकास कर रहे हैं। सड़कों चौड़ीकरण कराया जा रहा है। जनसुविधाओं को तेजी से बढ़ाने का काम जारी है। जन सुविधाये बढ़ने से आसपास के लोग तो यहां के बारे में और जानेंगे, पूरे देश से लोग नैमिषारण्य पहुंचेंगे। पूरे देश से लोग नैमिषारण्य आना चाहते हैं। अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के बाद यह संभावनाएं और तेजी से आगे बढ़ सकेंगी। नैमिषारण्य के लिए यह अहम अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए हमें मिलकर स्वच्छता संबंधी बेहतर माहौल बनाना होगा। सबको मिलकर इसकी शुरुआत करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पहली आवश्यकता स्वच्छता है। स्वच्छ प्रदेश होगा तो लोग आकर देखेंगे, उनको अच्छा अनुभव होगा। प्रदेश के आध्यात्मिक स्थलों, तीर्थ स्थानों को स्वच्छ बनाना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। नदी के तट से लेकर सार्वजनिक स्थल, सरकारी कार्यालय, भीड़ भाड़ वाले स्थान आधदि सभी जगह स्वच्छता के प्रति सभी लोगों को जागरूक होना पड़ेगाममुख्यमंत्री ने कहा कि प्लास्टिक को पूरी तरह मुक्त करना होगा, इससे हमें दूरी बनानी होगी। इसके बहुत विकल्प हैं, उसे हमें स्वीकार करना होगा। लोकसभा चुनाव की तैयारियों और विपक्षी दलों की सक्रियता के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नैमिषारण्य दौरा अहम माना जा रहा है।इसके जरिए कई समीकरण साधने का प्रयास किया गया है। प्रदेश सरकार ने तीर्थ क्षेत्रों के विकास के एजेंडे को धार देने की कोशिश की है, वहीं गांधी जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान पर भी फोकस किया है। इसके साथ ही सीएम योगी की नजर लोकसभा चुनाव 2024 पर भी है। सीएम योगी का दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि सपा जून माह में यहां प्रशिक्षण शिविर लगा चुकी है और कांग्रेस तीन अक्टूबर को सीतापुर में जोनल अधिवेशन करने जा रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम को विपक्षी दलों को जवाब देने से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर सरकारी कर्मचारियों का आंदोलन, रामलीला मैदान में जुटी भीड़

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) की मांग को लेकर लगभग 20 अधिक राज्यों के सरकारी कर्मचारी लाखों की संख्या में इकट्ठा हुए हैं। इस समय देश के पांच राज्यों में पुरानी पेंशन स्कीम लागू है। जिसमें कांग्रेस शासित राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल शामिल हैं। इसके अलावा महागठबंधन शासित प्रदेश झारखंड और आम आदमी पार्टी के शासन वाला पंजाब भी शामिल है। कांग्रेस पार्टी भी इसे वापस लाने की मांग कर रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कर्मचारियों के इस आंदोलन का अपना समर्थन दिया है। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि, वह कर्मचारियों के इस आंदोलन का पूरा समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि, ओपीएस कर्मचारियों का हक है, कर्मचारियों की मांगें जायज है, और सरकार को इसे लागू करना चाहिए। हुड्डा ने सोशल मीडिया एक्स पर रामलीला मैदान में प्रदर्शन कर रहे लाखों कर्मचारियों की वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'आज दिल्ली के रामलीला मैदान में ओल्ड पेंशन स्कीम बहाली के लिए कर्मचारियों और श्रमिक संगठनों द्वारा किए जा रहे आंदोलन को मेरा पूर्ण समर्थन है। व्है कर्मचारियों का हक है, कर्मचारियों की मांगें जायज हैं। सरकार इन्हें माने और व्है लागू करे। हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनने पर हम कर्मचारियों की मांगों को पूरा कर तुरंत व्है लागू करेंगे। कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी ने भी पुरानी पेंशन बहाली के कर्मचारियों के आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह रामलीला मैदान पहुंचे। आम आदमी पार्टी ने कहा, "देशभर में पुरानी पेंशन स्कीम लागू होनी चाहिए। इसके अलावा किसानों का भी इस आंदोलन को समर्थन मिल रहा है। किसान नेता राकेश टिकैत आंदोलन के मंच पर नजर आए। बता दें, दिल्ली का रामलीला मैदान इस वक्त खचाखच भरा पड़ा है। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम से जुड़े संगठन इस रैली में शामिल हुए हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज की असली 'वाघ नख है शिवसेना, संजय राउत का दावा

एजेन्सी

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि शिवसेना ही छत्रपति शिवाजी महाराज का असली हथियार 'वाघ नखश (बाघ के पंजे के आकार का हथियार) है और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शिवसेना को 'विभाजित कर कमजोर करने की कोशिश की है। महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार और उनके विभाग के अधिकारी 'वाघ नख को लाने के लिए तीन अक्टूबर को ब्रिटेन जाने वाले हैं। 'वाघ नख का इस्तेमाल छत्रपति शिवाजी महाराज ने 1659 में बीजापुर सल्तनत के सेनापति अफजल खान को मारने के लिए किया था। पिछले साल जून में शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में बगावत के बाद पार्टी विभाजित हो गई और इसके कारण उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी सरकार (एमवीए) भी गिर गई। इसके बाद शिंदे ने राज्य में सरकार बनाने के लिए भाजपा से हाथ मिला लिया। इस साल फरवरी में निर्वाचन आयोग (ईसी) ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले समूह को शिवसेना नाम और उसका चुनाव चिह्न 'धनुष और तीर आवंटित किया। निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने के लिए ठाकरे ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। राउत ने रविवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में भाजपा पर निशाना साधा, जिसके मंत्री मुनगंटीवार और अन्य नेता राज्य में 'वाघ नख लाने के लिए ब्रिटेन की यात्रा करने वाले हैं। राज्यसभा सदस्य ने दावा किया, ''वाघ नख महाराष्ट्र के लिए गौरव और स्वाभिमान का विषय है। शिवसेना छत्रपति शिवाजी महाराज की असली वाघ नख है, जिसने (पार्टी) राज्य के रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं से मुकाबला किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी (शिवसेना) को कमजोर करने की कोशिश में उसे ''विभाजित करके भाजपा ने राज्य को ''दिल्ली के सामने झुका दिया है।

रुधौली में चलाया गया स्वच्छता अभियान

एजेन्सी

बस्ती। रुधौली में रविवार को स्वच्छता अभियान को लेकर रुधौली तहसील प्रांगण में तहसीलदार सतेन्द्र सिंह के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान के पूर्व तहसीलदार ने गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्चन कर उनको श्रद्धाजलि दी। इस अवसर पर नायब तहसीलदार नीरज सिंह, कानूनगो संतोष शुक्ला, कानूनगो विजय प्रताप यादव, लेखपाल अंकित चौधरी, लेखपाल प्रमोद चौधरी,लेखपाल मनोज वर्मा, लेखपाल संजय कुमार, लेखपाल धर्मेंद्र कुमार सहित तमाम लेखपाल शामिल रहे। रुधौली थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र के नेतृत्व में थाना शिव मंदिर के प्रांगण में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

गठबंधन के दल बीजेपी के साथ आपस में भी कर रहे होड़

एजेन्सी

पटना। बिहार में 1990 में कांग्रेस का युग समाप्त होने के बाद से क्षेत्रीय दलों का दबदबा रहा है। 1995 में एक मौके को छोड़कर जब लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाले जनता दल ने 324 विधानसभा सीटों में से 167 सीटें जीती थीं। संयुक्त बिहार में क्षेत्रीय दलों ने हमेशा गठबंधन सरकारें बनाई हैं। यह सिलसिला आज तक जारी है, नीतीश कुमार उन छह राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन में राज्य के मुख्यमंत्री का पद संभाल रहे हैं जो बिहार की वर्तमान महागठबंधन सरकार बनाते हैं। हालांकि, बिहार में गठबंधन सहयोगी होने के बावजूद, महागठबंधन के दल न केवल भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, बल्कि 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए आपस में भी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। नतीजतन, 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे के फॉर्मूले को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है और हर कोई अधिकतम सीटों के लिए दावा कर रहा है।

बिहार में सीट बंटवारे के फॉर्मूले को अंतिम रूप देने के लिए राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तीन बार एक साथ बैठे, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके अलावा, कांग्रेस और वामपंथी दलों की महत्वाकांक्षाओं ने लालू और नीतीश की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बुधवार को बक्सर में एक कार्यक्रम के दौरान दावा किया कि उनकी पार्टी बिहार में 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। गौरतलब है कि 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान पार्टी ने नौ सीटों पर चुनाव लड़ा था और केवल किशनगंज में एक सीट जीती थी। अखिलेश सिंह ने 2019 चुनाव का जिक्र करते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी की स्थिति 2019 की तुलना में काफी बेहतर है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद बिहार के लोगों में सकारात्मक इरादा है। अब, हम बिहार में परिवर्तन संकल्प रैली कर रहे हैं। जगन्नाथ मिश्र का युग खध्त्म होने के बाद बिहार में कांग्रेस पार्टी पुनर्जीवित नहीं हो पाई है और उसका वोट शेयर गिरता जा रहा है। 2020 के विधानसभा चुनाव में भी पार्टी ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा और केवल 19 पर जीत हासिल की। उस अवसर पर, राजद ने अपने कोटे से कांग्रेस को अधिकतम सीटें दी थीं और मुकेश सहनी के नेतृत्व वाली विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को भी नजरअंदाज कर दिया था और इसकी कीमत चुकाई थी। कांग्रेस का प्रदर्शन खराब रहा और मुकेश सहनी ने निषाद समुदाय के वोट काटकर राजद को बड़ा नुकसान पहुंचाया। कांग्रेस के 10 सीटों का दावा करने के साथ, दीपांकर भट्टाचार्य के नेतृत्व वाली सीपीआई (एमएल) भी इतनी ही सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है।

पीएम के तेलंगाना दौरे से पहले बीआरएस-बीजेपी में पोस्टर वॉर

एजेन्सी

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रविवार को तेलंगाना यात्रा से कुछ घंटे पहले हैदराबाद में बीआरएस और भाजपा के बीच पोस्टर युद्ध छिड़ गया। जहां सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने पोस्टर लगाकर प्रधानमंत्री से पिछले 10 वर्षों के दौरान तेलंगाना से किए गए वादों को पूरा नहीं करने पर सवाल उठाया है, वहीं भाजपा ने पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री केसीआर को हर पांच साल में तेलंगाना का सबसे बड़ा विधायक खरीदार बताया है। बीआरएस समर्थकों ने शमशाबाद हवाई अड्डे के पास पोस्टर चिपकाए हैं जहां प्रधानमंत्री विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ करने और सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करने के लिए महबूबनगर जाने से पहले उतरेंगे। एक बैनर पर लिखा है, "मोदी जी का स्वागत है, पलामुरु–रंगारेड्डी परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा देने के आपके वादे का क्या हुआ।" एक अन्य पोस्टर में लिखा है, सौतेला व्यवहार। इसमें यह भी लिखा है कि मोदी को महबूबनगर जाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में पोलावरम और ऊपरी भद्रा परियोजनाओं के लिए राष्ट्रीय दर्जा दिया, जबकि पलामुरू–रंगारेड्डी परियोजना को इससे वंचित रखा गया है। एक अन्य पोस्टर में तेलंगाना के प्रति प्रधानमंत्री मोदी के वादों पर प्रकाश डाला गया है। इनमेंआईटीआईआर, टेक्सटाइल पार्क, डिफेंस कॉरिडोर, काजीपेट कोच फैक्ट्री, मिशन भगीरथ फंड, बय्याराम स्टील प्लांट, हल्दी बोर्ड, मेडिकल कॉलेज और आईआईएम शामिल हैं। एक अन्य पोस्टर के जरिए बीआरएस ने कहा कि राज्य का अपमान करने के बाद मोदी को तेलंगाना जाने का कोई अधिकार नहीं है। पोस्टर में तेलंगाना गठन के बारे में अलग–अलग मौकों पर संसद में बोलते हुए मोदी की चार अलग–अलग तस्वीरें हैं।

ग्वालियर-चंबल को कांग्रेस से छीनने में सिंधिया की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

एजेन्सी

भोपाल। अपने 22 वफादार विधायकों के साथ भाजपा में शामिल होकर मार्च 2020 में कमल नाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को गिराने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को अपने पूर्व पार्टी सहयोगियों के क्रोध का सामना करना पड़ रहा है। राजनीति में टिके रहने की क्षमता को लेकर सिंधिया को अपने पूर्व पार्टी कार्यकर्ताओं की नाराजगी का भी सामना करना पड़ा है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा उन्हें गद्दार, बिकाऊ और कुछ अन्य अशोभनीय उपमाओं से नवाजा गया। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि सिंधिया भाजपा में ष्घुटनष महसूस कर रहे हैं क्योंकि वह अपने दम पर निर्णय नहीं ले सकते हैं जैसा कि वह कांग्रेस में करते थे। कई दशकों तक सत्ता में रहने के बाद पिछले साल उनके गढ़ ग्वालियर में भाजपा के मेयर की सीट हारने के बाद उनके नेतृत्व पर सवाल उठ गया है। एक के बाद एक, उनके वफादार

अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए कांग्रेस में वापस जाने लगे और पिछले कुछ महीने में उनमें से एक दर्जन से अधिक लोग सबसे पुरानी पार्टी में वापस चले गए हैं। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस, जिसने सिंधिया के जाने पर उन पर जोरदार हमला किया था, ने उनके वफादारों का पार्टी में वापस स्वागत किया, यह धारणा बनाने के लिए कि केंद्रीय मंत्री ने ग्वालियर–चंबल क्षेत्र में अपना प्रभुत्व खो दिया है। हालाँकि, उनसे जुड़े लोगों ने कांग्रेस के आरोप का खंडन करते हुए कहा कि सबसे पुरानी पार्टी ने हमेशा व्यक्तिगत नेतृत्व में विश्वास किया है, जो भाजपा की संस्कृति के बिल्कुल विपरीत है। भाजपा प्रवक्ता और सिंधिया समर्थक पंकज चतुर्वेदी ने कहा, श्कांग्रेस नेतृत्व ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर चिंतित है क्योंकि वह उनकी रणनीति जानते हैं और उन्होंने अपनी पुरानी पार्टी को बेनकाब कर दिया है। गुटबाजी और व्यक्तिवाद से कांग्रेस का गहरा नाता है।" भाजपा ने राज्य विधानसभा चुनाव के लिए कई दिग्गजों, खासकर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और प्रह्लाद पटेल के अलावा राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को मैदान में उतारा है। ऐसी चर्चा है कि सिंधिया भी मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ सकते हैं।

क्या वाकई भाजपा ने नीतीश कुमार के लिए अपने दरवाजे हमेशा के लिए बंद कर दिए हैं

एजेन्सी

नयी दिल्ली। बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार को समझ पाना अब लोगों के लिए एक तरह से नामुकिन सा होता जा रहा है। वर्तमान में वो आरजेडी, कांग्रेस और लेफ्ट दलों के साथ मिलकर बिहार में महागठबंधन की सरकार चला रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2024 में हराने के लिए बने विपक्षी दलों के मोर्चे के गठन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है लेकिन इन सबके बावजूद उनकी सक्रियता और राजनीतिक चहलकदमी ने उनके बहुत पुराने मित्र, बाद में कट्टर राजनीतिक विरोधी और फिर से राजनीतिक मित्र बने लालू यादव तक को सशंकित कर दिया है। जी–20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति द्वारा दिए गए भोज में उनका पटना से दिल्ली आना और भोज कार्यक्रम में काफी देर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने का वाक्या हो या फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े भारतीय जनसंघ के सह–संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन करने का वाक्या हो, इन दोनों ही घटनाओं ने एक बार फिर से यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या वाकई नीतीश कुमार एक बार फिर से पाला बदलने के बारे में सोच रहे हैं। हालांकि नीतीश कुमार और भाजपा दोनों ही सार्वजनिक रूप से इससे इनकार करते हुए एक दूसरे के खिलाफ तल्ख बयानबाजी भी कर रहे हैं। नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह श्ललनश ने भाजपा पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि नीतीश कुमार पूरी तरह से महागठबंधन के साथ हैं और सात जन्मों में भी भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। उन्होंने तो यहां तक आरोप लगा दिया कि भाजपा का काम भ्रम फैलाना है और वह फैला रही है। नीतीश कुमार–भाजपा गठबंधन में एक जमाने में बिहार में नीतीश सरकार में मंत्री रह चुके वर्तमान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह तो नीतीश कुमार पर तल्ख टिप्पणी करते हुए यहां तक कह रहे हैं कि उन्हें भाजपा का अहसानमंद होना चाहिए क्योंकि भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया। गिरिराज तो यहां तक कह रहे हैं कि भाजपा में नीतीश कुमार के लिए दरवाजे और खिड़कियां पूरी तरह से बंद हो चुके हैं। नीतीश–भाजपा गठबंधन सरकार में लंबे समय तक उपमुख्यमंत्री रह चुके वर्तमान भाजपा राज्य सभा सांसद सुशील मोदी भी नीतीश कुमार पर हमलावर हैं और लगातार भाजपा के साथ उनकी वापसी की तमाम खबरों को खारिज भी कर रहे हैं। लेकिन क्या वाकई राजीव रंजन सिंह हो या गिरिराज सिंह हो या सुशील मोदी या फिर दोनों ही पार्टियों से बयानबाजी करने वाले अन्य नेता, इस स्थिति में हैं कि वह गठबंधन को लेकर कोई अंतिम फैसला कर सकें।

इंडिया' ब्लॉक पंजाब कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी के बाद टूट जाएगा: ठाकुर

एजेन्सी

ऊना केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को कहा कि विपक्षी दलों का गुट इंडिया ब्लॉक पंजाब कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी के तुरंत बाद टूट जाएगा और नरेंद्र मोदी दोबारा प्रधानमंत्री बनेंगे। श्री ठाकुर निर्माणाधीन पीजीआई सैटेलाइट सेंटर (पीजीआईएससी) के दौरे पर आए और काम की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। मंत्री ने यह भी स्वीकार किया कि पीजीआईएससी के निर्माण कार्य में कुछ कारणों से देरी हुई है जो जल्द ही समाप्त हो जाएगा।

2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए और अधिक मजबूत सशस्त्र बलों की जरूरत, डीएडी के समारोह में बोले राजनाथ सिंह

एजेन्सी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए आधुनिक उपकरणों से लैस और अधिक मजबूत सशस्त्र बलों की जरूरत है तथा उन्होंने सेना के तीनों अंगों द्वारा वित्तीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। सिंह ने दिल्ली छावनी में रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) के 276वें वार्षिक दिवस समारोह में उसकी कई डिजिटल पहल की शुरुआत करने के बाद ये टिप्पणियां कीं। डीएडी को ''रक्षा वित्त का संरक्षक बताते हुए उन्होंने आंतरिक सतर्कता तंत्र मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि इससे न केवल समस्या से तुरंत निपटने में मदद मिलेगी बल्कि रक्षा लेखा विभाग पर लोगों का विश्वास भी बढ़ेगा। राजनाथ सिंह ने कहा, ''अगर हम एक विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं तो हमें आधुनिक हथियार तथा उपकरणों से लैस मजबूत सशस्त्र सेनाओं की आवश्यकता होगी। अतः हमारे पास उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का प्रभावी उपयोग करना आवश्यक है। उन्होंने कहा, ''सेवाओं की मांग और उपलब्ध संसाधनों के आवंटन में अच्छा संतुलन होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने डीएडी को एक आंतरिक स्थायी समिति बनाने का भी सुझाव दिया जो बाजार के बारे में अध्ययन कर सके और जमीनी स्तर पर काम कर रहे अधिकरियों को बाजार के बारे में उच्च गुणवत्ता वाली सूचना उपलब्ध करा सके। सिंह ने अपने भाषण में पारदर्शी और प्रभावी वित्तीय प्रणाली के जरिए देश की रक्षा क्षमताएं बढ़ाने में संगठन के प्रयासों के लिए उसकी प्रशंसा की।

लेखाविधि को किसी संगठन, व्यक्ति और राष्ट्र के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा, ''हमारी इच्छा असीमित है लेकिन उपलब्ध संसाधन सीमित हैं। रक्षा मंत्री ने जिन डिजिटल पहल की शुरुआत की, उनमें रक्षा मंत्रालय के लिए एकीकृत रक्षा वित्त डैशबोर्ड–सारांश (रक्षा मंत्रालय के लिए खातों, बजट और व्यय का सारांश) और बिस्वास (बिल सूचना और कार्य विश्लेषण प्रणाली तथा ई–रक्षा आवास) शामिल हैं। सिंह ने कई डिजिटल पहल शुरू करने के लिए डीएडी की प्रशंसा की।

सम्पादकीय

चुनावों में उठते जन विमर्श

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की समय सारिणी घोषित होने में अब थोड़ा ही समय बचा है मगर प्रमुख राजनैतिक दलों ने जनता के बीच अपने–अपने जन विमर्श खड़े करने की कवायद तेजी से शुरू कर दी है। एक तरफ जहां राजनैतिक यात्राओं का दौर अभी भी चल रहा है वहीं दूसरी तरफ राजनैतिक नेता जनसभाएं या रैलियां भी सम्बोधित करने में एक–दूसरे से प्रतियोगिता करते लगते हैं। इन पांचों राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना व मिजोरम में निश्चित रूप से प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ही है जिसका अलग–अलग पार्टियों से अलग–अलग राज्यों में मुकाबला है। इनमें से तीन राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का भाजपा से सीधा मुकाबला है जबकि तेलंगाना में इसका भारत राष्ट्रीय समिति से और मिजोरम में वहां की सत्ताधारी क्षेत्रीय पार्टी से। इसलिए यह निश्चिन्त होकर कहा जा सकता है कि इन पांचों राज्यों के चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिए जीवन–मरण का प्रश्न होंगे। हालांकि भाजपा पर भी इन चुनाव परिणामों का प्रभाव लगभग ऐसा ही होगा क्योंकि यह पार्टी केन्द्र में सत्तारूढ़ है और लोकसभा के चुनाव भी बहुत जल्दी अगले साल अप्रैल महीने में शुरू हो जायेंगे। परन्तु असली अग्नि परीक्षा कांग्रेस की ही होगी क्योंकि यह दो राज्यों राजस्थान व छत्तीसगढ़ की सत्ताधारी पार्टी है।

मध्य प्रदेश में बेशक भाजपा की सरकार है मगर इसे चोर दरवाजे से बनी सरकार कहा जाता है क्योंकि 2018 के पिछले चुनावों के बाद इस राज्य में कांग्रेस के श्री कमलनाथ की ही सरकार बनी थी मगर इसके सवा साल बाद ही कांग्रेस के ज्योतिरादित्य सिन्धिया ने बागी तेवर अपना कर कांग्रेस के 25 के लगभग विधायकों का विधानसभा से इस्तीफा दिलवा कर कमलनाथ सरकार को अल्पमत में कर दिया था और बाद में इन पूर्व विधायकों ने भाजपा में शामिल होकर पुनः उपचुनाव लड़ा और कांग्रेस को इनके खिलाफ अपेक्षाकृत सफलता नहीं मिल सकी। इस हकीकत को देखते हुए मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी भाजपा पर अपना बहुमत चुराने या खरीदने का आरोप लगा कर ताजा चुनावों में जनता की सहानुभूति बटोरने की कोशिश भी कर रही है। परन्तु राज्यों के चुनावों में हर राज्य में अपना अलग चुनावी मुद्दा होगा। लेकिन हम देख रहे हैं कि भाजपा इनमें से किसी भी राज्य में अपने किसी भी नेता को आगे रख कर चुनाव नहीं लड़ रही है और केवल प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर चुनाव जीतना चाहती है। इसका लाभ भाजपा को यह हो सकता है कि वह सूबे के चुनावों में राष्ट्रीय मुद्दों को चुनावी विमर्श बना कर कांग्रेस को हाशिये पर खड़ा करे। चुनावों में हम देख सकते हैं कि भाजपा के स्टार प्रचारक प्रधानमन्त्री स्वयं कांग्रेस के मुख्यमन्त्रियों से उनके पांच साल के शासन का हिसाब–किताब मांगे जिसके जवाब में कांग्रेस को भी मजबूरन राष्ट्रीय मुद्दों की तरफ लौटना पड़ सकता है। देखना यह होगा कि राज्यों के चुनावों के बहाने भाजपा व कांग्रेस दोनों ही किस प्रकार राष्ट्रीय मुद्दों पर एक–दूसरे को घेरने का उपक्रम करते हैं और अन्त में बाजी किसके हाथ रहती है। मगर इन सब विषयों से अलग लोकतन्त्र में चुनाव राजनैतिक दलों के लिए बेशक उत्सव होते हैं मगर आम मतदाता के लिए ये सत्तारूढ़ दल से जवाबतलबी करने का मौसम होता है। यदि और ध्यान से देखें तो चुनाव आम मतदाता को और अधिक जागरूक व सचेत और सजग बनाने का अवसर भी होता है। सत्तारूढ़ सरकारों का कर्त्तव्य बनता है कि वे अपने मालिक मतदाता को अपने शासन को पूरा हिसाब–किताब दें क्योंकि लोकतन्त्र में लोगों के एक वोट के संवैधानिक अधिकार से गठित सरकार न तो राज्य की मालिक होती है और न राष्ट्र की बल्कि वह जनता की नौकर होती है जिसकी मजदूरी हर पांच साल बाद आम जनता उसके द्वारा किये गये काम के आधार पर देती है। अतः राजनैतिक दल जो भी विमर्श खड़े करते हैं उनकी तसदीक आम जनता को इसी कसौटी पर करनी चाहिए। जाहिर है कि कांग्रेस पार्टी बेरोजगारी व महंगाई के अलावा समाज में व्याप्त घृणा व नफरत के माहौल और अमीर–गरीब के बीच बढ़ती आर्थिक खाई को प्रमुख मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है जबकि भाजपा की तरफ से राष्ट्रवाद से जुड़े विभिन्न मुद्दों यथा विश्व में बढ़ते भारत के सम्मान व दुनिया में भारत के पांचवीं अर्थव्यवस्था बनने आदि के मुद्दों को उभारना चाहती है। यहीं आकर राष्ट्रीय व क्षेत्रीय मुद्दों में बिखराव की स्थिति भी बनती है जिससे मतदाता भ्रम में भी आ सकते हैं। परन्तु भारत के सन्दर्भ में यह भी वास्तविकता है कि दुनिया के लगभग दो सौ देशों में भारत के औसत आदमी की प्रति व्यक्ति आय 128वें नम्बर पर है और देश के पांच प्रतिशत अमीर कहे जाने वाले लोगों के पास 63 प्रतिशत राष्ट्रीय सम्पत्ति है जबकि 50 प्रतिशत गरीब कहे जाने वाले लोगों का राष्ट्रीय सम्पत्ति में हिस्सा मात्र 3 प्रतिशत ही है। ये आंकड़े भारत में आर्थिक असमानता के हैं परन्तु दूसरी तरफ भारत अधिकाधिक आधुनिक उत्पादों को स्वयं उत्पादन कर रहा है और इसकी रक्षा सामग्री का उत्पादन भी देश में बढ़ा है तथा फौज मजबूत हुई है। लेकिन लगातार शिक्षा के महंगे होने से समाज के कमजोर वर्ग के होनहार बच्चों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना कठिन भी होता जा रहा है। सवाल मुद्दों का अगर देखें तो ये सामान्य नागरिकों से जुड़े होकर राष्ट्रीय फलक तक नजर है। फैसला निश्चित रूप से लोकतन्त्र की मालिक जनता को ही करना है क्षेत्रीय चुनावों में भी और राष्ट्रीय चुनावों में भी।

जयशंकर का सख्त संदेश

वर्ष 2023 तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत और अमेरिका संबंधों के लिए काफी बेहतर रहा। वर्ष 2022 में भारत और अमेरिका रणनीतिक रूप से एक–दूसरे के निकट आए, जबकि इस वर्ष दोनों देशों की नजदीकियां बढ़ीं। भारत में आयोजित जी–20 सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में काफी अच्छी बांडिंग दिखाई दी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर अमेरिका दौरे पर हैं। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिबन से बातचीत की। इस बातचीत के दौरान कई क्षेत्रों में सहयोग और विस्तार पर बातचीत हुई। अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के बीच कनाडा और भारत के मध्य तनाव की बात भी उठी। विदेश मंत्री एस.ध्जयशंकर ने बिना किसी लाग लपेट के कनाडा मुद्दे पर भारत का पक्ष रखा और उन्होंने कनाडा को आतंकवाद और तस्करी का जहरीला गठजोड़ बताते हुए यह भी कहा कि यह गठजोड़ अमेरिकियों के लिए बहुत अलग दिखता है। यद्यपि जयशंकर और ब्लिंकन की बातचीत के बाद जारी बयान में भारत–कनाडा तनाव का जिक्र नहीं किया गया, लेकिन अमेरिका केध्विदेश मंत्री ब्लिंकन ने इतना जरूर

कहा कि अमेरिका चाहता है कि दोनों देश आपस में मिलकर तनाव खत्म करें और भारत कनाडाई जांच में सहयोग करे। कनाडा अमेरिका का पड़ोसी देश है और दोनों के संबंधा काफी मजबूत हैं। इसके बावजूद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दो टूक शब्दों में कनाडा और अमेरिका को आइना दिखा ध्दिया। भारत–अमेरिका के संबंधों में आ रही प्रगाढ़ता के बावजूद भारत को यह देखना है कि उसके हित कैसे सुरक्षित रहते हैं। अमेरिका के बारे में मशहूर है कि वह खुद को शेष दुनिया से सर्वश्रेष्ठ मानता है और उसके लिए अपने हित सर्वोपरि रहते हैं। अमेरिका के दोहरे चरित्र से भारत पूरी तरह से वाकिफ है। कई बार उसने भारतीय कंधे पर बंदूक रखकर चीन और रूस के खिलाफ अपने हित साधना चाहा लेकिन भारत ने सतर्क रहकर रणनीति अपनाई। विदेश मंत्री ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी क्या है? इसके लिए हमें दूसरों से सीखने की जरूरत नहीं। आतंकवाद, उग्रवाद और हिंसा के प्रति कनाडा की उदारता एक समस्या है। हम एक तंत्र हैं। हमें नहीं लगता कि बोलने की आजादी हिंसा भड़काने तक फैली हुई है। हमारे लिए यह आजादी दुरुपयोग है, आजादी की रक्षा नहीं। उन्होंने पश्चिम को लेकर भारत के रुख के बारे में बारीक फर्क भी समझाया। भारत गैर पश्चिमी है। लेकिन पश्चिम विरोधी नहीं। जिस दुविधा में आज हम रह रहे हैं वह मुख्य रूप से पश्चिमी नजरिये से बनी है। इस नजरिये को बदलना होगा। एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से ही नहीं बल्कि अमेरिका की धरती पर खड़े होकर भारत की दृढ़ता का परिचय दिया। उनका स्पष्ट संदेश था कि वे दिन गए जब कुछ देश दुनिया पर अपना एजेंडा थोपते थे। कनाडा का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि वह आतंकवाद के खिलाफ अपना राजनीतिक फायदा देख रहा है। उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत और रूस की दोस्ती बनी रहेगी। अमेरिका और उसके मित्र देश भारत पर लगातार दबाव बनाए रहते हैं कि वह रूस से अपने करीबी संबंधों को खत्म करे। भारत और रूस के संबंध काफी गहरे हैं और यूक्रेन युद्ध की वजह से वह अपने संबंध नहीं तोड़ सकता। हैरानी की बात तो यह भी है कि खुद पश्चिमी देश किसी न किसी तरह रूस से संबंध बनाए रखे हुए हैं। भारत के कड़े रुख के चलते ही कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का नरम रुख सामने आ रहा है। जस्टिन ट्रूडो ने भारत को बड़ी अर्थव्यवस्था बताते हुए भारत से मिलकर काम करने की बात कही है। कनाडा का दोहरा चरित्र सामने आ चुका है। इस्लामी आतंकवाद पर अमेरिका कनाडा–भारत के रुख से सहमत है। तो फिर कनाडा खालिस्ताध्नी समर्थकों की कारगुजारियों को आतंकवाद क्यों नहीं मानता। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर क्यों सिख अलगाववाद के खतरों के बारे में भारत की चेतावनियों ने पश्चिमी सरकारों को उत्साहित नहीं किया है। इसमें सबसे बड़ा काम है कि इस्लामी आतंकवाद के विपरीत खालिस्तान शायद ही कभी पश्चिम के लिए सीधा खतरा पैदा करता है। इसकी हिंसा मुख्य रूप से भारत को लक्षित करती है। हालांकि, इनके समर्थकों ने पश्चिम में भारतीय राजनयिकों को धमकी भी दी है और 1985 में खालिस्तानी आतंकवादियों ने मॉन्ट्रियल से उड़ान भरने वाले एयर इंडिया जेट को उड़ा दिया था, जिसमें सवार सभी लोग मारे गए थे, इनमें से अधिकांश कनाडाई थे। दुध्निया इस बात से अनजान है कि खालिस्तानी आतंकवादी कितना गम्भीर खतरा पैदा कर सकते हैं, जबकि भारत 1980 ओर 1990 के दशक में खालिस्तानी आतंकवाद को झेल चुका है। बेहतर यही होगा कि कनाडा आतकंवाद को संरक्षण देना बंद करे और भारतीय हितों की ओर ध्यान दे अन्यथा दोनों देशों में तनाव बरकरार रहेगा। जिसका नुक्सान दोनों देशों को भुगतना होगा। विदेश मंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत के दरवाजे बंद नहीं हैं। निज्जर हत्याकांड पर उसके पास कुछ ठोस है तो वह भारत से बात करे। केवल वोटों की खातिर हवाओं में तीर नहीं उछाले।

पाकिस्तान की राह पर कनाडा

प्रेम शर्मा

कनाडा पूरी तरह से अब पाकिस्तान के रास्ते चल रहा है। अगर पाकिस्तान आतंकियों को शरण देकर भारत सहित पूरी दुनिया का दूश्मन बना है तो कनाड़ा खालिस्तानीयों और आतंकियों के लिए 'पनाह' देकर पाकिस्तान की कनाडा राह पर है। पंजाब में जो नौजवान मौजूदा व्यवस्था से नाराज हैं और लंबे वक्त से बेरोजगार हैं, उन्हें खालिस्तान–समर्थक एक खास चिट्ठी देते हैं। उसी के आधार पर उन्हें आसानी से कनाडा का वीजा मिल जाता है। लोकसभा सांसद सिमरनजीत सिंह मान ने ऐसी चिट्ठी की पुष्टि की है। चिट्ठी लेने वाले 35,000 रुपए से एक लाख रुपए अथवा डेढ़–दो लाख रुपए तक का चंदा पार्टी को देते हैं। कनाडा जाने वाले ऐसे पंजाबियों को वहां प्लंबर, ड्राइवर, सेवादार, मैकेनिक, पाठी और रागी आदि के काम भी दिलवा दिए जाते हैं, लेकिन खालिस्तान के भारत–विरोधी धंधों में भी उन्हें शामिल किया जाता है। कनाडा में ऐसे 30 गुरुद्वारे बताए जाते हैं, जिनका पूरा नियंत्रण खालिस्तानियों के पास है। भारतीय पंजाब से जाने वाले ऐसे नौजवानों को इन गुरुद्वारों में ही रहने–ठहरने की जगह दी जाती है। धीरे–धीरे खालिस्तान–समर्थकों की एक 'फौज' तैयार हो जाती है, जो कनाडा के ही नागरिक बना दिए जाते हैं। वे खालिस्तानी ही भारतीय दूतावासों और संस्थानों पर धावा बोल कर प्रदर्शन करते हैं, लेकिन कनाडा सरकार कोई कारगर कार्रवाई नहीं करती। दोनों देशों के बीच अब यह विवाद और तनाव कूटनीतिक रंग लेता जा रहा है। हालांकि भारत की तरफ से उसे कई बार चेतावनी दी जा चुकी है। ट्रूडो सरकार के हालियॉ बयान के खिलाफ भारत का सबसे बड़ा एक्शन, कनाडा के लोगों के वीजा पर लगाई गई रोक! भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कनाडा का नाम लिए बिना ही संयुक्त राष्ट्र आम सभा में कहा है कि राजनीतिक सुविधा के लिए आतंकवाद का इस्तेमाल करना गलत है।अमेरिका दौरे के अंतिम चरण में शनिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर कनाडा सरकार को ठोस संदेश दिया कि उसे भारत की भौगोलिक अखंडता के खिलाफ काम करने वाले उग्रवादी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी।इस मुद्दे पर भारत को सलाह देने वाले देशों की तरफ इशारा करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि जिस तरह से भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा हुई है और उन्हें धमकी दी गई है, वैसा किसी दूसरे देश के राजनयिकों के साथ होता तो क्या इसी तरह का रवैया अपनाया जाता। उन्होंने कहा, हमारे मिशन पर बम फेंके गए। वाणिज्य दूतावासों के सामने हिंसा हुई और पोस्टर लगाए गए। क्या आप इसे सामान्य मानते हैं? कनाडा में जो हो रहा है, उसे सामान्य घटना मत बनाइये।विदेश मंत्री ने कहा,कुछ वर्षों से कनाडा सरकार के साथ हमारी समस्या चल रही है। वर्तमान समस्या वास्तव में आतंकवाद, उग्रवाद और हिंसा की अनुमति के इर्द–गिर्द घूमती है। यह अनुमति इस तथ्य से भी झलकती है कि कुछ महत्वपूर्ण प्रत्यर्पण अनुरोधों का कनाडा की ओर से जवाब नहीं दिया गया है। जयशंकर ने साफ किया कि कनाडा के साथ बातचीत करने की संभावना अभी खत्म नहीं हुई है। विदेश मंत्री की अमेरिका यात्रा में कनाडा का मुद्दा छाया रहा है।

सवाल यह है कि क्या कनाडा 'दूसरा पाकिस्तान' बन गया है ? खालिस्तानी आतंकवाद और हिंसा को लेकर दोनों देश आपस में साजिशें रच रहे हैं। पाकिस्तान में सरेआम सक्रिय रहे खालिस्तानी अब दहशत के खौफ में भी हैं, क्योंकि भारत ने आतंकी करणवीर सिंह के खिलाफ 'इंटरपोल' का रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवा दिया है। अमूमन खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ पंजाब में नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी, हिंसा और हत्या, आपराधिक साजिश की धाराओं में कई प्राथमिकियां दर्ज हैं। समाज और देश के इन दुश्मनों को कड़े सबक सिखाए जाने चाहिए। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान की जासूस एजेंसी आईएसआई ने खालिस्तानी आतंकियों की पनाह के लिए, पाक–ईरान की पश्चिमी सीमा पर, सेना मुख्यालय में ही 'सेफ हाउस' बना रखा है। करीब 15 आतंकियों को 12 'सेफ हाउस' में पनाह दी गई है। आजकल कई खालिस्तानी आतंकियों का 'अंतरराष्ट्रीय बेस' पाकिस्तान में ही है। क्या इस संदर्भ में कनाडा–पाकिस्तान साथ–साथ नहीं है ? हालांकि खालिस्तान समर्थक 19 आतंकियों की सूची भी तैयार की गई है, जिनकी पंजाब में संपत्तियां जब्त की जा रही हैं और उनकी कुर्की भी की जा सकती है। कनाडा को, अंततः, झुकना ही पड़ेगा, क्योंकि वहां के प्रधानमंत्री ट्रूडो अपनी कुर्सी बचाए रखने को झूठ बोल रहे हैं। आश्चर्य है कि एक प्रधानमंत्री ऐसे आतंकवादी की पैरवी कैसे कर सकता है, जिसके खिलाफ कई केस पंजाब में दर्ज हैं और जो 1996 में फर्जी पासपोर्ट लेकर कनाडा में घुसा था। हैरानी यह भी है कि ऐसे व्यक्ति को कनाडा का नागरिक कैसे बना दिया गया? क्या कनाडा खुद एक फर्जी देश है ?वैसे देखा जाए तो पाकिस्तान, भारतीयों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता का भी दुश्मन बना हुआ है, क्योंकि आतंकवाद का समर्थन उसकी व्यवस्थित नीति बन चुकी है। भारत में आतंकवादी घटनाओं के लिए जिम्मेदारों को पाकिस्तान डंके की चोट पर पनाह देता रहा है।

तथ्य ये भी है कि अल–कायदा का सरगना और 9/11 का मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन भी उसी की धरती पर आराम फरमाते हुए मारा गया। अगर कनाडा का इतिहास और वहां की मौजूदा जस्टिन ट्रूडो सरकार की नीतियों और कारगुजारियों को देखें तो वह भी मानवता के खिलाफ नीतियों में पाकिस्तान वाला ही रवैया अपना रही है। फ्री स्पीच और लोकतंत्र का झुनझुना दिखाकर दुनिया की आंखों में धूल झोंकने की कोशिशें की जा रही हैं। खालिस्तानी आतंकी भारतीय नागरिक के हत्यारे हरदीप सिंह निज्जर के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपनी संसद में जिस तरह से आंसू बहाए हैं, उससे आम भारतीय नागरिकों की जान को लेकर उनकी सोच का खुलासा हो गया है। निज्जर की हत्या को लेकर ट्रूडो सरकार झूठे आरोपोंश्के सहारे कनाडा की जमीन से चल रही भारत–विरोधी गतिविधियों पर पर्दा डालने की कोशिशों में लगी हुई हैय जिसके खिलाफ भारत के पास पुख्ता सबूत हैं। अगर ट्रूडो सरकार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत सरकार के साथ होती तो खुलेआम भारत को चुनौती देने वाले आतंकवादियों पर लगाम लगाने में कोताही नहीं बरतती। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कुछ दिन पहले ही कनाडा के वैंकूवर में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंटों ने भारत–विरोधी एजेंडे को लेकर खालिस्तानी आतंकियों के साथ एक गोपनीय बैठक की है। इस बैठक में सिख फॉर जस्टिस का सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू भी मौजूद था, जो भारत के खिलाफ आए दिन जहर उगलता रहता है। इस बैठक और ट्रूडो का वहां की संसद में दिए गए बयान की तारीख लगभग आसपास की ही मानी जा रही है। लोगों को याद होगा कि 1985 के विमान बम कांड में 329 लोगों के हत्यारों में अधिकतर कनाडा के नागरिक थे, जो कि लचर जांच प्रक्रिया की वजह से बरी किए जा चुके हैं। भारत के बार–बार आगाह करने के बावजूद मानवता के दुश्मनों के खिलाफ उसकी सहानुभूति पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन सकती है। कनाडा कनाडा की सरकार किसी को राजनयिक शरण देने और आतंकियों को पनाह देने में फर्क करना भूल चुकी है। आज न कल कनाडा के हुक्कमरानों की इन गलतियों की सजा कनाडा के नागरिकों को भी भुगतनी पड़ सकती है, जैसा कि कई मौकों पर पाकिस्तान के नागरिक भी महसूस करने लगे हैं। जिन आतंकियों को पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ पाल पोसकर बड़ा किया, वह कई बार वहीं की आम जनता के लिए खतरा बनने लगे हैं। कनाडा के हाथ भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के खिलाफ साजिश रचने वालों का समर्थन करके कनाडा कबतक आजादी और लोकतंत्र की दुहाई दे सकता है। तथ्य यह है कि सिर्फ खालिस्तानी आतंकवादियों को बढ़ावा देने में ही नहीं, कनाडा के हाथ तमिल युद्ध से लेकर यूक्रेन संघर्ष और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान की हत्या तक से रंगे हैं। इन तमाम घटनाओं की वजह से दुनिया भर में अनगिनत लोगों की जानें गई हैं और इतनी तबाही हुई है, जिसके आंकड़े जुटाने भी मुश्किल हैं। लोकतंत्र, सबको बोलने की स्वतंत्रता का ज्ञान कनाडा अपनी करतूतों को छिपाने के लिए उस भारत को देने की कोशिश कर रहा है, जो तमिल, पूर्व पाकिस्तानी, अफगानी और यहां तक कि लाखों रोहिंग्या मुसलमानों को आज भी शरण दे रहा है। बहरहाल अमरीका, रूस, ब्रिटेन आदि देशों को चाहिए कि वे कनाडा का बहिष्कार करें। वैसे अमरीका और पश्चिमी देशों ने कनाडा से दूरी बना ली है। भारत को कूटनीति से काम लेना होगा।

आज का राशी फल

मेष :– बुद्धिमत्ता द्वारा प्रत्येक दिशा में स्वयं को पारंगत सबित करेंगे। भौतिकता की लोलुपतावश दूसरों के चढ़ाने में आकर अपनी आर्थिक क्षति कर सकते हैं। जीवन साथी से कुछ मुद्दों पर वैचारिक मतभेद संभव।

बृषभ :– अपनी भावुकता पर नियंतण्ररखें। हर रिश्ते में अपने अनुकूल अपेक्षा रखना आपकी सबसे बड़ी मूर्खता है। माता के स्वास्थ के प्रति कुछ चिंन्ताएं होंगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

मिथुन :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं। कुछ अच्छे आसारों से मन प्रसन्न होगा। रोजगार में अच्छे लाभ के आसार बनेंगे। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कर्क :– भौतिक–सुख साधन में व्यय के आसार हैं। रोजगार में अच्छी आशाएं प्रसन्नता लाएंगी किंतु पारिवारिक चिंताओं से मन ग्रसित होगा। आंतरिक प्रतिभाओं द्वारा सगे–संबंधों में प्रभावी बनेंगे।

सिंह :– घरेलू दायित्वों की पूर्ति हेतु सक्रियता से आपकी महत्ता बढ़ेगी। अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बने। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। आलस्य त्यागें।

कन्या :– भौतिकता के आधार पर थोड़ा असंतोष हो सकता है। सगे–संबंधों में व्यवहार कुशल बने। कुछ नयी अभिलाषाएं आपको हतोत्साहित करेंगी। पारिवारिक वातावरण उत्साहित रहेगा।

तुला :– दुविधाओं को त्याग सही और स्वच्छ योजनाओं की ओर केंद्रित हों। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है किंतु भावनात्मक अपेक्षाएं कष्ट की जननी बनेंगी।

वृश्चिक :– निकट संबंधों में मधुर वाणी का प्रयोग करें। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। कार्यक्षेत्र में लोकप्रियता बढ़ेगी। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा।

धनु :– दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न आने दें। बाहर की दुनिया में समय देने से अच्छा है कि थोड़ा घर में समय देने की चेष्ठा करें। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी।

मकर :– भावनाओं पर नियंतण्ररख दायित्वों के प्रति सजग हों। अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करने में सक्षम होंगे। धनागम के ने स्रेत बनेंगे। परिवार में खुशहाल स्थिति रहेगी।

कुंभ :– किसी महत्वपूर्ण दायित्व की कुशल पूर्ति हेतु समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन चिंतित होगा। नौकरी–पेशे में अधिकारियो व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा।

मीन :– राजनीति से जुड़े लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी किंतु सामाजिक मर्यादा का ध्यान रखें। कोई नई सकारात्मक सोच से प्रगति के आसार बढ़ेंगे।

भारतीय संस्कृति, संस्कारों का अवमूल्यन। युवा वर्ग में मानसिक यौन कुंठा और बढ़ते अपराध

संजीव ठाकुर

प्रागैतिहासिक काल से भारतीय संस्कृति सभ्यता में ऐसा लचीलापन है कि अनेक विदेशी सभ्यताओं को हमने आत्मसात कर उन्हें भी अपने रंग में रंग लिया है। उन सब के रंगों में हम भी रंग गए हैंस भारतीय समाज की विशेषता है कि यह क्रमिक रूप से बाहरी मूल्यों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप आज समाज विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं तथा मूल्यों का अद्भुत समूह बन गया, यूं कहें कि अलग–अलग सभ्यताओं के पुष्पों का एक रंग बिरंगा गुलदस्ता ही बन गया हैस वही सभ्यताओं के आत्मसात करने के परिणाम स्वरूप पाश्चात्य सभ्यता से हिंदुस्तानी समाज में बड़ी विसंगतियां जन्म लेने लगी है। सभ्यताएं तो आई लेकिन अपनी बुराइयों को भी लेकर आई हैं। इससे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन सी हुआ है। और इसके अलावा पाश्चात्य सभ्यता ने खुलेपन आमंत्रित कर युवाओं तथा पुरुषों के मन में वासनात्मक कुंठा को जन्म दिया है। जिसके कारण महिलाओं पर यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है। आज भारतीय समाज निश्चित तौर पर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और यही वजह है कि पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रवृतियों मानसिक भावनाओं को संक्रमित कर कुंठा को जन्म दिया है। यही कारण है कि मानसिक संक्रमण से भारतीय समाज पाश्चात्य सभ्यता का अंधा अनुसरण कर रहा है जिसके कारण मानवीय मूल्यों में नैतिक स्खलन स्पष्ट दिखाई देने लगा और इस नैतिक गिरावट से हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। पाश्चात्य सभ्यता के दुष्प्रभाव में सबसे गहरा दुष्प्रभाव यौन हिंसा के प्रचार प्रसार का है। पुरुष समाज की मानसिकता है की पुरुष होने के कारण उन्हें कुछ चीजों का हक नैसर्गिक रूप से प्राप्त है जैसे कि अच्छी पत्नी और संतान में बेटों की प्राप्ति, कोई भी पुरुष अपनी आने वाली पीढ़ी में पुत्री नहीं चाहता है जबकि पुत्र पुत्री एक समान ही होते हैं बल्कि जो मायूस होकर पुत्री जन्म का दुख मनाते हैं उन्हें वर्तमान में पीएससी और यूपीएससी की रिजल्ट लिस्ट देखनी चाहिए इसमें बालिकाओं ने बहुत अच्छे अंको से परीक्षा पास कर समाज में उनकी अहम भूमिका को सार्थक किया है। वर्तमान समाज में परंपरागत रूप से पुरुषों को ऐसा करते देख उसकी आने वाली पीढ़ी भी अपने महिला संगिनी से दुर्व्यवहार और हिंसा करने से नहीं चूकता है। पुरुष की कुंठा इस कदर बढ़ चुकी है कि वह किसी सुंदर स्त्री को देखकर यह चाहने लगता है कि वह स्त्री उसकी अंक शायनी हो जाए और यदि स्त्री उसके विमुख होती है तो वह उस पर बलात नियंत्रण करने की कोशिश में यौन अपराध की ओर उन्मुख हो जाता है। अपरिपक्व उम्र से ही किशोरावस्था के युवक सेक्सुअल हिंसा के प्रति उन्मुख होने लगे हैं हमें इसकी असली वजह तथा कारण को समझना होगा मोबाइल का इंटरनेट कंप्यूटर लैपटॉप ने इस विकृत संस्कृति को एक खुला आकाश दे दिया है समाज में बढ़ती योन अपराधिक हिंसा के मुख्य कारणों में से एक इंटरनेट मोबाइल और लैपटॉप का घर घर उपलब्ध होना ही है।

मानसिक रूप से अपरिपक्व को बच्चों के पास मोबाइल तथा लैपटॉप तथा इंटरनेट आ चुका है और उससे वह वह वासनात्मक कहानियां, चित्र और फिल्में देखकर युवतियों तथा छोटी–छोटी बच्चियों पर यौन अपराध करने से नहीं चूकते और यही वजह है कि भारतीय संस्कृति विकृत होकर युवकों द्वारा बड़ी संख्या में यौन अपराध किए जा रहे हैं। जिसके कारण महिलाओं की भावना तथा आत्म सम्मान में गिरावट आकर आत्महत्या तक के परिणाम सामने आने लगे हैं। आंकड़ों में यदि जाएं तो 2020 में लगभग 40,000 बलात्कार के मामले हिंदुस्तान में सामने आए हैं जिनमें 18 साल से कम आयु की लड़कियों की संख्या 16800 की और सबसे खतरनाक तथा विवाद,वीभस्त आंकड़ा जो है वह 6 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ बलात्कार की घटना के लगभग 600 मामले सामने आए हैं। यौन हिंसा के अलावा बच्चियों, युवतियों तथा महिलाओं द्वारा युवाओं द्वारा दिए गए प्रणय निवेदन तो ठुकरा दिए जाने के बाद तेजाब फेंकने की घटनाएं तीव्रता से बड़ी हैं 2010 से लेकर 2020 तक महिलाओं पर तेजाब फेंकने की 1208 घटनाएं विभिन्न जगहों में संबंधित थानों में पंजीकृत हुई है। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रशासन को एसिड की खरीदी बिक्री पर रोक लगाने के आदेश भी दिए गए, पर आज भी पूरे देश में तेजाब की बिक्री खुलेआम हो रही है। तेजाब पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसके अलावा इंटरनेट मोबाइल पर भी प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है इस पर भी एक उम्र की सीमा से ऊपर के लोगों को इस्तेमाल करने की अनुमति दी जानी चाहिए। भारत में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा कर एक अभियान चलाकर इसे योजनाबद्ध तरीके से कानून की मदद से हिंदुस्तान भर में विस्तारित किया जाना चाहिए। इसी तरह कन्या भ्रूण हत्या को भी समूल नष्ट करने का अभियान चलाकर एक प्रभावी योजना तैयार की जानी चाहिए। भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार के साथ शासकीय योजनाओं को भी यौन हिंसा प्रताड़ना के खिलाफ आमजन को शिक्षित और जागरूक कर पाश्चात्य सभ्यता को ना अपनाने हेतु प्रेरित करना चाहिए।

2024 का लोकसभा चुनाव देश के लिए बड़ा परिवर्तनकारी होगा : विनीत कुशवाहा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर विनीत कुशवाहा जौनपुर में समाजवादी छात्र सभा के संगठन विस्तार हेतु जनपद आगमन पर समाजवादी पार्टी कार्यालय पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के नेतृत्व में नौजवान साथियों के साथ जोरदार स्वागत किया गया। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर बैठक को संम्बोधित करते हुए कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव देश के लिए बड़ा परिवर्तनकारी होगा। जिसमें नौजवानों की बड़ी भूमिका होगी केन्द्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो देश राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर और डॉ0 राममनोहर लोहिया और नेताजी के सिद्धांतो और उनके बताए रास्ते पर चलेगा, लेकिन अगर पीछे रह गए तो भाजपा संविधान बदलकर न जाने किस रास्ते पर ले जाएगी।

कहा कि पिछड़े और दलितों ने ताकत देकर केन्द्र में एनडीए की सरकार बनायी थी। भाजपा सरकारों ने इन्हीं वर्गों का शोषण किया। पिछड़े और दलित छोड़ देंगे तो एनडीए कहीं नहीं बचेगी।

उन्होंने कहा कि पिछड़ी, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के कोटा के बिना महिला आरक्षण कानून अधूरा है।

अध्यक्षता करते हुए डां अवधनाथ पाल ने कहा कि आज हर समाज और दल के लोग जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं। सभी चाहते हैं कि जातीय जनगणना हो, जिस जाति की जो आबादी हो उसके हिसाब से हक मिले। आज पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक खास कर मुस्लिम भाई, नौकरी, रोजगार या संस्थानों में हर जगह पीछे हैं। बैठक मे मुख्य रूप से राजन यादव, राकेश मौर्या,राजदेव यादव, हिरालाल विश्कर्मा, राहुल त्रिपाठी, श्रवण जयसवाल, इर्शाद मंशूरी,अनवारुल गुड्डू, लाल मोहम्मद रानी साजिद अलीम, भानु प्रताप मौर्या,रजनीश मिश्रा,दिलीप प्रजापति,नितिन सैफई, अनुपमा पटेल,अजमत अली, कमाल, कमालुद्दीन अंसारी,ऋषि यादव,रमन यादव,रामबचन यादव, जितेंद्र मौर्या, धर्मेंद्र सोनकर,सोनी यादव, अन्नपूर्णा , तारा त्रिपाठी डां जग बहादुर यादव, आदि संचालन राजेन्द्र टाइगर ने किया।

प्राथमिक विद्यालय कबूलपुर प्रथम में धूमधाम से आयोजित किया गया गांधी/शास्त्री जयंती समारोह

जौनपुर। बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी महोदय सिरकोनी अमरेश कुमार सिंह द्वारा दिए गए दिशानिर्देश के अनुपालन में आज दिनांक 02 अक्टूबर को न्याय पंचायत नेहरूनगर सिरकोनी जौनपुर के नोडल शिक्षक संकुल डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव के दिशानिर्देशन तथा प्राथमिक विद्यालय कबूलपुर प्रथम की प्रधानाध्यापिका वंदना सिंह के नेतृत्व में आज 'राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी तथा स्वतंत्र भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री शान्ति पुरुष श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का जयंती समारोह' धूमधाम से आयोजित किया गया। प्राथमिक विद्यालय कबूलपुर प्रथम की द्वारा विद्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा उपस्थित सभी लोगों के द्वारा राष्ट्रगान का गायन किया गया। नोडल शिक्षक संकुल डॉ.आशीष कुमार श्रीवास्तव द्वारा बच्चों के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। प्रधानाध्यापिका श्रीमती वंदना सिंह द्वारा दोनों महापुरुषों के चित्र के सामने दीप प्रज्वलन और उनके चित्रों पर माल्यार्पण करके जयंती समारोह का श्रीगणेश किया गया। नोडल शिक्षक संकुल तथा विद्यालय के सहायक अध्यापक डॉ.आशीष कुमार श्रीवास्तव , छात्रध्छात्राओं,तथा विद्यालय में उपस्थित अन्य सभी स्टाफ, सफाईकर्मी गण, रसोइया, एवं ग्राम वासियों ने भी उक्त दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प चढ़ाकर उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा खोलकूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। जिनमें अन्त्याक्षरी, कविता पाठ, रोल – प्ले , पी.टी., दौड़ , आदि प्रमुख रहीं।

नशे को शरीर से नहीं मन से निकालने की जरूरत : सच्चिदानंद यादव

1–बच्चों के संस्कार को नशा विहीन बनाने की करें कोशिश: कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मिशन ड्रग फ्री कैंपस एंड सोसाइटी अभियान के तहत वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नशा मुक्ति व पुनर्वास केंद्र और व्यावहारिक मनोविज्ञान, छात्र अधिष्ठाता एवं उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को जन जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह मनाया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एहसास नशा मुक्ति केंद्र गोरखपुर के निदेशक सच्चिदानन्द यादव ने कहा कि नशा मुक्ति के लिए विद्यालयों में पाठ्यक्रम बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशे को शरीर से नहीं मन से निकालने का प्रयास होना चाहिए। बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि बचपन से ही बच्चों के संस्कार को नशा विहीन बनाने की कोशिश करनी चाहिए। मां यह जिम्मेदारी आसानी से निभा सकती है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में युवाओं की संख्या अधिक है, ऐसे में युवाओं को नशे की लत से रोकना जरूरी है। विशिष्ट अतिथि क्षेत्राधिकारी एसपी उपाध्याय ने कहा कि नशा पर रोक मुहिम चलाकर ही खत्म करना होगा। उन्होंने कहा कि लोग पुलिस से अपेक्षाएं तो बहुत करते हैं लेकिन सहयोग नहीं करते। बिना सहयोग के हम नशे जैसी महामारी को नहीं रोक सकते। छात्र अधिष्ठाता प्रो. अजय द्विवेदी ने अतिथियों को स्वागत किया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. मनोज पांडेय ने पूरे सप्ताह के कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन छात्र उद्देश्य सिंह ने किया। इस अवसर पर पूरे सप्ताह हुए वाद–विवाद, रंगोली, कोलाज, नुक्कड़ नाटक, निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को कुलपति ने पुरस्कृत किया। साथ ही प्रबंध संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. बीडी शर्मा को नशा मुक्ति के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इसके पूर्व एक युद्ध नशे के विरूद्ध पोस्टर का विमोचन किया गया। इसके पूर्व छात्र सत्यप्रकास सिंह ने नशामुक्ति पर स्वरचित काव्यपाठ किया।

इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, डॉ. ए. ए. जाफरी, प्रो. रामनारायण, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. गिरधर मिश्र, डॉ. सुनील कुमार, डॉ पुनीत धवन, डॉ. लक्ष्मी मौर्य, राजेंद्र सिंह, सुशील कुमार प्रजापति, प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

एनसीसी कैडेटस द्वारा निकाली गई स्वच्छता रैली

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

झबरेडा, हरिद्वार। राजकीय इंटर कॉलेज, लाठर देवा हूण के प्रांगण में 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के तत्वावधान में कर्नल रामाकृष्णन रमेश के निर्देश पर स्वच्छता रैली निकली हुई जो विद्यालय प्रांगण से शुरू होकर ग्राम के मुख्य बाजार, बस स्टैंड, प्राचीन गणेश जी मंदिर होती हुई वापस विद्यालय में ही समाप्त हुई । रैली का उद्देश्य केवल जन जागरूकता ही नही अपितु अपने आस–पास सफाई रखना भी था जिससे कि रोग मुक्त जीवन जिया जा सके ।

इस अवसर पर विद्यालय के एनसीसी केयरटेकर सुशील चौधरी के नेतृत्व में लाठर देव हून का प्राचीन गणेश मंदिर तथा अटल प्राथमिक विद्यालय मे स्वच्छता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में बटालियन के सीनियर ट्रेनिंग को–ऑर्डिनेटर रवि कपूर का विशेष सहयोग रहा ।

रैली को हरी झंडी दिखाने से पूर्व आज अपने संबोधन में प्रधानाचार्य विपुल सालार ने एनसीसी छात्र–छात्राओं का मनोबल बढ़ाया और उन्हें स्वच्छता अपने जीवन मे अपनाने हेतु शपथ दिलाई। स्वच्छता रैली में श्री राकेश शर्मा, रविंद्र पाल सिंह, बीना देवी, दिनेश सिंह, सूरजभान, मुकेश बगवाड़ी, अंकित , अरुण राठी, अनीता देवी, पूनम देवी, आलोक कुमार द्विवेदी समेत विद्यालय के 100 छात्र–छात्राओं ने सहयोग दिया।

ब्लाक प्रमुख ने दी श्रद्धांजलि

सुलतानपुर– महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर बल्दीराय ब्लाक सभागार में कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर गांधी और शास्त्री को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। बल्दीराय ब्लाक सभागार में ब्लाक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने कहा कि जीवन में अगर किसी को आगे बढ़ना हो तो उन्हें गांधी जी की जीवनी पढ़नी चाहिए। अपनी गलतियों को स्वीकार करना और उनमें सुधार के प्रयास करने की सीख हमें गांधी जी मिलती है। खंड विकास अधिकारी सत्यनारायण सिंह ने महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि देश के इन दो महापुरुषों की जीवनी से हमें यह सीख मिलती है कि त्याग व सादगी की भावना को आत्मसात करें। निधन का भला करना ही जनसेवा है।

गांधी जयंती पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत जिला पंचायत परिसर में की गयी साफ-सफाई व स्वच्छक को अध्यक्ष जिला पंचायत ने किया सम्मानित।

सुलतानपुर । महात्मा गाँधी के 154वीं जयन्ती के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए तथा 'स्वच्छता सेवा पखवाड़ा' के अन्तर्गत स्वच्छता के लिये श्रमदान के क्रम में अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती उषा सिंह ने जिला पंचायत परिसर में आयोजित स्वच्छांजलि कार्यक्रम में साफ–सफाई में प्रतिभाग कार्यालय के कर्मचारियों तथा अपर मुख्य अधिकारी हरिओम नारायण चंद्र, प्रशासनिक अधिकारी दिनेश सिंह के साथ प्रतिभाग किया। इस दौरान जिला पंचायत के स्वच्छक अन्नू को अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती उषा सिंह अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

गांधी जयंती के सुअवसर पर राष्ट्रपिता को उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल का कृतज्ञ नमन

नवीन संकल्पों के साथ पूरे मंडल पर विभिन्न गतिविधियों का हुआ आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आज दिनांक 02 अक्टूबर 2023 को भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती को पूरे उत्तर रेलवे , लखनऊ मंडल में गर्व,उल्लास तथा नवीन संकल्पों के साथ मनाया गया। इस दिवस का विशेष आयोजन मंडल के वाराणसी जं. स्टेशन एवं लखनऊ रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया गया। मंडल रेल प्रबंधक, डॉ. मनीष थपल्याल ने वाराणसी जं. पर अन्य अधिकारियों के साथ महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पार्पण कर उनको अपने श्रृद्धा सुमन समर्पित किए तदोपरान्त उन्होंने वाराणसी जं. स्टेशन का निरीक्षण करते हुए यार्ड री मॉडलिंग के कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

जबकि इसी क्रम में लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन),श्री शिवेंद्र शुक्ला ने अन्य अधिकारियों के साथ गांधी उद्यान में पहुंचकर महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि करके राष्ट्रपिता को सादर नमन किया, सभी रेलकर्मियों को स्वच्छता संबंधी शपथ दिलाई तथा मंडलीय स्काउट एंड गाइड द्वारा स्वच्छता पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया एवं स्वच्छता जागरूक रैली निकाली साथ ही आज के इस सुअवसर पर 31वें गाँधी पुस्तक मेले का भी शुभारंभ किया गया, जोकि आगामी 15 अक्टूबर तक जारी रहेगा।

अगर पेंशन सरकार नही देंगी शिक्षक देगे टेंशन- रामावतार पाडेय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय महामंत्री कमलाकांत त्रिपाठी ने कहाकि जब शिक्षकों को पेंशन नही तो किसी को पेंशन नही। जो पेंशन की बात करेगा वह देश पर राज करेगा। अगर सरकार नही मानती तो आने वाले चुनाव में इसका जबाब शिक्षक कर्मचारी देंगे।

उक्त बातें असम से चलकर वाराणसी स्थित यूपी कॉलेज में पहुचने पर जनजागरूकता गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहाकि यह सरकार भेदभाव कर रही है। एक तरफ पुरानी पेंशन बन्द करने की बात कह कर्मचारियों को भ्रमित कर रही है तो दूसरी तरफ न्यायपालिका को पुरानी पेंशन देने की घोषणा कर रही है। यही नही खुद सांसद विधायक व मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री चार चार पेंशन ले रहे हैं। यह सेवा शर्तों का उल्लंघन है। इसके लिए शिक्षकों को कमर कस कर आर पार की लड़ाई लड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहाकि मोदी व योगी का तो परिवार नही है ऐसे में पेंशन के दर्द को कैसे समझ सकते है? लेकिन शिक्षकों को अपना दर्द वोट से समझाने की जरूरत है। वही उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री उमाशंकर सिंह ने कहाकि अगर सरकार हमारी मांगे नही मानती तो शिक्षक ईट से ईंट बजाने का काम करेंगे।

बिहार प्राथमिक शिक्षक के प्रांतीय उपाध्यक्ष व अखिल भारतीय शिक्षक संघ के रामअवतार पांडेय ने कहाकि देश के चारो दिशाओं निकले पेशन बहाली रथ का जिस तरह स्वागत व भीड़ उमड़ रही है सरकार बाध्य होगी। यही नही बिहार में उमड़ी भीड़ को देखते हुए वहाँ की सरकार तो कमेटी गठित कर पेंशन देने पर जुट गई।

जिला अध्यक्ष अमित से ने सम्बोधित करते हुए कहाकि पेंशन खैरात नही है यह कर्मचारियों का सेवा अधिकार है। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अमित सिंह, संचालन जिला मंत्री सतीश पाठक व धन्यवाद ज्ञापन जिला वरिष्ठ सतीश सिंह ने दिया

इस अवसर पर शैलेंद्र सिंह राजू रत्नम तिवारी उमेश यादव डॉक्टर अखिलेश संतोष बघेल डॉ अनुज धीरज कश्यप मनोज सिंह विशाल सिंह प्रदीप सूर्य सरोज कुमार मुन्नालाल यादव दिवाकर चौहान गिरीश डॉक्टर शैलेश ऋषिकेश सिंह सहित भारी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

इसके पूर्व जनपद सीमा पर जलालपुर पहुचने पर जिला अध्यक्ष अमित सिंह के नेतृत्व में सैकड़ो शिक्षकों ने उनका भव्य स्वागत किया।

धूमधाम से मनायी गई गाँधी व शास्त्री की जयंती

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

'पाली–(हरदोई) सोमवार को कस्बे में व क्षेत्र के अनेक विद्यालयों में सत्य व अहिंसा के पुजारी आजादी के महानायक स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी व त्याग, सरलता व सादगी के प्रतिमूर्ति,मां भारती के लाल,जवानों व किसानों के सच्चे हितैषी,राजनीति के आदर्श, राष्ट्रपुरूष पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री दोनों महापुरुषों के 154 वें जन्मदिन जयंती को बड़ी धूमधाम से राष्ट्रीय त्योहार के के रूप में मनाया गया। कस्बे के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में दोनों महापुरुषों की जयंती समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कालेज में सर्वप्रथम राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तत्पश्चात विद्यार्थियों सहित सभी शिक्षक गण,समस्त कर्मचारियों द्वारा दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण व श्रद्धा सुमन अर्पित कर दोनों महान विभूतियों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। इसके बाद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन संघर्ष,उनकी देश सेवा व जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला गया। हिंदी प्रवक्ता राजेश प्रकाश मिश्रा ने गाँधी और लालबहादुर शास्त्री के जीवन और भारत देश की आजादी में दिये गए बलिदानों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि 02 अक्टूबर के विशेष दिवस पर हमारे देश में दो महान विभूतियों ने जन्म लिया। उन्होंने गांधी व शास्त्री दोनों महान विभूतियों के पद चिन्हों पर चलने की बात कही। इतिहास प्रवक्ता विनोद प्रताप वर्मा ने बताया कि महात्मा गाँधी वह व्यक्ति थे जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध अपने पूरे जीवन भर संघर्ष किया। उनका लक्ष्य अहिंसा, ईमानदार और स्वच्छ प्रथाओं के माध्यम से एक नये समाज का निर्माण करना था। साथ ही उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे विनम्र, दृढ़,सहिष्णु एवं जबरदस्त आंतरिक शक्ति वाले लोगों के बीच ऐसे व्यक्ति बनकर उभरे जिन्होंने लोगों की भावनाओं को समझा।वे दूरदर्शी के साथ साथ महात्मा गांधी के राजनीतिक शिक्षाओं

औद्योगिक क्षेत्र में यू पी सी डा एवं आई आई ए ने संयुक्त रूप से स्वच्छता में श्रमदान

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। प्रधान मंत्री जी के आवाहन पर आयोजित स्वच्छता पखवाड़े पर कुर्सी रोड औद्योगिक क्षेत्र में यू पी सी डा एवं आई आई ए ने संयुक्त रूप से स्वच्छता में श्रमदान किया ।

यू पी सी डा से प्रधान महाप्रबंधक श्री संदीप चंद्रा , श्री अजयदीप सिंह रीजनल मैनेजर , श्री बी एन श्रीवास्तव सहायक मैनेजर एवं राजकुमार , शुभेन्दु, रवि आदि शामिल हुए ।

आई आई ए से कैप्टेन राजेश कुमार तिवारी चेयरमैन, श्री अभिजात , श्री अंशुल अग्रवाल श्री अमन अग्रवाल सहित पचासों लोग शामिल हुए ।

स्वच्छता अभियान के अतिरिक्त महाप्रबंधक जी ने चेयरमैन आई आई ए से ओद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं पर भी चर्चा की एवं औद्योगिक क्षेत्र का संयुक्त भ्रमण भी किया रोड एवं नाली की मरम्मत का कार्य तुरंत शुरू कराने का आदेश दिया । श्री बी एन श्रीवास्तव जी ने बताया कि रोड के ठेकेदार से बात हो गई है एवं मौसम भी साफ हो गया है अब शीघ्र ही कार्य शुरू किया जाएगा नाली की रिपेयर का भी काम शुरू किया जाएगा ।

औद्योगिक क्षेत्र में हुए अतिक्रमण जैसे

राजकीय नैशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हास्पिटल, लखनऊ में २ अक्टूबर गांधी जयन्ती व लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती मनाई गयी'

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

आज दिनांक 02–10–2023 दिन सोमवार को गांधी जयन्ती के उपलक्ष्य में राजकीय नैशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हास्पिटल, लखनऊ में प्रातः 9.00 बजे कालेज प्रांगण में प्राचार्य प्रोफेसर (डा.) डी.के. सोनकर ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान हुआ इसके बाद प्राचार्य प्रोफेसर (डा.) डी.के. सोनकर ने महात्मा गांधी जी की व लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद वहां मौजूद शिक्षकों व कर्मचारियों ने ष्रघुपति राघव राजा रामष का गायन कर गांधी जी को याद किया। इसी क्रम में कालेज के सफाई कर्मी मेहताब आलम व सूरज को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें गांधी जी का अनुसरण करते हुए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलना चाहिए। कार्यक्रम में प्रदेश के अन्य आयुष चिकित्सा महाविद्यालय के शिक्षक व चिकित्साधिकारी, व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवध विवि में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के दिशा–निर्देशन में परिसर में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र, कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो0 आशुतोष सिन्हा, प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 के0के0 वर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक, परीक्षा नियंत्रक उमानाथ, उप कुलसचिव डॉ0 रीमा श्रीवास्तव सहित समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ0 अजंनी कुमार मिश्र ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी को स्मरण करते हुए कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है। क्योंकि दोनों महापुरूषों का जन्म आज ही के दिन हुआ था। दोनों सादगी की प्रतिमूर्ति थे। हम सभी को इनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व से सीखना चाहिए। कार्यक्रम में कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो0 आशुतोष सिन्हा ने कहा कि दोनों महापुरूषों के देश में दिए गए योगदान को भुलाया नही जा सकता है। इनके बारें में जितना जाना जाएं वह कम है। गांधी जी के सत्य एवं अंहिसा ऐसे अस्त्र थे जिस पर चलने के लिए उन्होंने सभी को प्रेरित किया और देश को आजादी दिलाई। वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान जय किसान का नारा दिया। शांति के सिद्धातों पर चलने की प्रेरणा दोनों महापुरूषों से मिलती है।

कार्यक्रम में भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स के प्रो0 के0के0 वर्मा ने कहा कि गांधी एवं लाल बहादुर के विचार एक थे इन दोनों के विचारों में विरोधाभास नही था। इनके उपदेश एवं आचार हम सभी को आत्मसात् करना चाहिए।

विवि के परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने बताया कि सत्य अंहिसा के पुजारी गांधी एवं जय जवान जय किसान का नारा लगाने वाले लाल बहादुर शास्त्री के विचारों को सभी को अपनाना चाहिए। कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ0 राजेश सिंह ने कहा कि दोनों विभूतियों ने सत्य अंहिसा के साथ देश को जोड़ने का कार्य किया है। उनके जीवन से शिक्षा लेनी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान योग विज्ञान की शिक्षिका गायत्री वर्मा सहित शिक्षकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा बापू के भजन गुनगुनाएं गए। जिसमें रघु पति राघव राजा राम.... ...एवं वैष्णव जन तेने कहिए भजन से श्रोता मंत्रमुग्ध हुए। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय की छात्रा अनामिका सिंह, अभीष्ट दीक्षित, राकेश कुमार गुप्ता ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने किया। इस अवसर पर प्रो0 गंगाराम मिश्र, प्रो0 अनुपम श्रीवास्तव, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, ज्ञान प्रकाश टेकचदांनी, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 विमल यादव, डॉ0 त्रिलोकी यादव, डॉ0 अजय शुक्ला, डॉ0 अंकित मिश्र, अनूप कुमार, अभियन्ता आरके सिंह, अध्यक्ष राजेश कुमार पाण्डेय, गिरीश चन्द्र पंत, राजीव तिवारी, आशीष मौर्य, दिलीप पाल, ब्रह्मानंद, श्याम कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

पायनियर मांटेसरी स्कूल की सभी शाखाओं में गांधी एवं शास्त्री जयंती हर्षोल्लास के साथ मनायी गई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पायनियर मांटेसरी स्कूलों की सभी शाखाओं में गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती बहुत हर्षोल्लास के साथ मनायी गई। इस अवसर पर एल्डिको शाखा में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा देश के महान सपूत भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धापूर्वक एवं उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर प्रबंधक महोदय इंजीनियर ब्रजेंद्र सिंह, प्रधानाचार्य श्रीमती शर्मिला सिंह, समस्त शिक्षक गण, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

सर्वप्रथम बापू एवं शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया तथा समस्त उपस्थित जनों ने देश के इन महान सपूतों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

तत्पश्चात गायन शिक्षकों द्वारा सत्य एवं अहिंसा के पुजारी बापू के प्रिय भजनों का गायन किया गया जो इस बात का परिचायक था कि देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करने वाले महात्मा गांधी के प्रति आज भी जनमानस में अतिशय कृतज्ञता का भाव है। गीतों के माध्यम से जय जवान, जय किसान का महत्वपूर्ण नारा देने वाले शास्त्री जी के महान कार्यों तथा देश की सुरक्षा प्रगति एवं सुधरता के प्रति उनकी कटिबद्धता का बखान किया गया।

विद्यार्थियों ने गांधी जी एवं शास्त्री जी के महान व्यक्तित्व एवं प्रतित्व के बारे में अपने विचार भाषण के माध्यम से अभिव्यक्त किये। महात्मा गांधी जी को स्वच्छता अभियान द्वारा स्वच्छांजलि अर्पित की गई। संपूर्ण देश में "स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा "मनाया जा रहा है जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर के अंदर तथा एल्डेको कॉलोनी में साफ सफाई की। इस कार्य में प्रधानाचार्य समस्त शिक्षकगणों तथा कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर प्रतिबद्धता की। ज्ञातव्य है कि 1 अक्टूबर से विद्यालय द्वारा यह स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

समारोह में प्रबंधक इंजी ब्रजेंद्र सिंह तथा प्रधानाचार्य श्रीमती शर्मिला सिंह ने सभी को गांधी जी एवं शास्त्री जी के आदर्शों एवं सिद्धांतों का अनुसरण करने को प्रेरित किया क्योंकि इन महापुरुषों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर हम देश को गौरवशाली राष्ट्र बना सकते हैं।

श्री सुखमनी साहिब सेवा सोसाइटी के 52वें सलाना समागम पर सजा दीवान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री सुखमनी साहिब सेवा सोसाइटी का 52वां सलाना समागम श्री गुरु सिंह सभा ऐतिहासिक गुरुद्वारा नाका हिन्डोला लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रातः 6.30 बजे श्री सुखमनी साहिब के पाठ के उपरान्त हजूरी रागी भाई राजिन्दर सिंह जी ने अपनी मधुरवाणी में आसा की वार का अमृतमयी शबद कीर्तन गायन किया। विशेष रूप से पधारे रागी जत्था भाई अनंत वीर सिंह जी यू एस ए वालों ने (1)– हम बैठे तुम देहो असीसा,तुम राजा राजन के इसा।। (2)– सुखमनी सुख अमृत प्रभु नामु भगत जना कै मनि बिस्राम।। एवं भाई सिमरप्रीत सिंह जी हजूरी रागी श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर जी ने (1)– हरि की बडीआई देखो संतहु हरि निमाणिआ माण देवाए ।।

(2)– प्रभ हरि मंदर सोहणा मोती हीरा निरमला कंचन कोट रीसाल।।शबद कीर्तन गायन कर समूह संगत को निहाल किया। कथावाचक ज्ञानी सुखदेव सिंह जी ने श्री गुरू ग्रन्थ साहिब में दर्ज बाणी सुखमनी साहिब का कथा व्याख्यान करते हुए दिल को छू देने वाले विचार व्यक्त किये। श्री सुखमनी साहिब सेवा सोसाइटी के सदस्यों एवं माता गुजरी सत्संग सभा की सदस्याओं ने भी शबद कीर्तन गायन किया। लखनऊ गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने सुखमनी साहिब सेवा सोसाइटी के सदस्यों द्वारा 52वां गुरमति समागम मनाए जाने पर हार्दिक आभार व्यक्त किया। ज्ञानी सुखदेव सिंह जी ने रागी जत्थों को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया। सुखमनी साहिब सेवा सोसाइटी के मुख्य सेवादार मनमीत सिंह बंटी ने आई संगतों एवं निष्काम सेवा संस्थाओं सिक्ख सेवक जत्था, दशमेश सेवा सोसाइटी,सिक्खा यंग मेन्स एसोसिएशन,यूथ खालसा एसोसिएशन,अम्रत सेवक जत्था एवं खालसा इंटर कालेज का आभार व्यक्त किया समाप्ति के उपरांत गुरु का लंगर वितरित किया गया।

सीतापुर एमएलसी पवन सिंह चौहान और गांव वालों ने स्वच्छता के लिए किया श्रमदान

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

सीतापुर – भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाह्न पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को स्वच्छता की श्रद्धांजलि देने के लिए सिंधौली ब्लॉक के गाँव रशूलपुर सिधौली जिला सीतापुर में सिंधौली में सीतापुर एमएलसी पवन सिंह चौहान व गांव वालों के साथ एक अक्टूबर को स्वच्छता के लिए एक घंटे श्रमदान किया।

इस दौरान गांव में बने मंदिर मानेश्वर महादेव धाम में और गांव की गलियों में पवन सिंह चौहान ने झाड़ू लगाकर सफाई की। स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेते हुए पवन सिंह चौहान ने कहा कि सभी लोगों को अपने आसपास साफ सफाई जरूर रखनी चाहिए, ऐसा करने से हम लोग बहुत सारी बीमारियों से बचे रहेंगे।

इस दौरान सिधौली में पवन सिंह चौहान ने गांव वालों से स्वच्छता की अपील करते हुए उन्हें सफाई के लिए जागरूक किया एवं समस्त ग्रामवासियों से अपील करते हुए कहा कि हम सभी लोगों को अपने घर की सफाई तो करनी ही है साथ ही सार्वजनिक स्थानों को भी स्वच्छ रखना है एवं गांव में बने कूड़ाघर में ही अपने घर का कूड़ा डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने घर के आसपास, गांव और शहर को स्वच्छ रखकर ही हम महात्मा गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं।

राजा जयलाल सिंह के शहादत दिवस पर संगोष्ठी एवं ऋद्धांजलि

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। कुर्मी क्षत्रिय सभा लखनऊ के तत्वाधान में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद राजा जयलाल सिंह शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि समारोह।जयलाल सिंह के सहादत दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में उन्हें ऋद्धांजलि दी। कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज स्थित राजा जयलाल पार्क जाकर वहां राजा जयलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धासुमन अर्पित किये। वक्ताओं ने उनके संघर्ष और जीवन गाथा का बखान किया और उनके बलिदान को याद किया। राजा जयलाल सिंह 1857 की क्रांति के जन नायक थे। उन्होंने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला किया। रविवार को शहादत दिवस पर उन्हें याद किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष डी एम कटिहार जी ने कहा कि राजा जयलाल सिंह ने देश के लिये अपनी जान की बाजी लगा दी। उपस्थित लोगों में डां0 जिया राम वर्मा, डॉ0 कुलदीप गंगवार, वीरेंद्र सिंह, डॉ दीपक सिंह, हरीश वर्मा एवं शशांक वर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

अयोध्या सरयू नदी के पुराने पुल से युवक ने लगाई छलांग

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। प्रभु श्रीराम की पावन नगरी में संदीप पुत्र राम जनक उम्र लगभग 30 वर्ष पता कटरा भोगचंद्र जिला गोंडा का निवासी है जिसने परिवारिक कलह वह अपने जीवन से ऊब जाने के कारण सरयू पुराने पुल से कूदकर आत्महत्या करने का किया प्रयास जिसको ड्यूटी पर तैनात जल पुलिस व एस डी आर एफ के जवानों ने बड़ी मशक्कत के बाद सकुशल बचा कर बाहर निकाला ड्यूटी पे तैनात जल पुलिस प्रभारी रूबे प्रताप मौर्य,कांस्टेबल नित्यानन्द यादव, कांस्टेबल मुन्ना यादव,कांस्टेबल सुरेंद्र यादव, कांस्टेबल सचिन पाल,कांस्टेबल कमरुद्दीन व एस डी आर एफ के प्रभारी रमेश कुमार मिश्रा, शिव बालक सिंह कांस्टेबल अनुपम दुबे,कांस्टेबल मनीष कुमार,कांस्टेबल विपिन कुमार, कांस्टेबल अजीत सिंह,कांस्टेबल अभिषेक मिश्रा,कांस्टेबल सत्य प्रकाश मिश्रा जो रेस्क्यू में शामिल रहे और नया घाट पुलिस चौकी व उनके परिवार को सुपुर्द किया गया।

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदाता दिवस के अवसर पर एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदाता दिवस के अवसर पर संकल्पसंस्थान द्वारा एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन जिला अस्पताल फैजाबाद के ब्लड बैंक परिसर पर किया गया रक्तदान शिविर का उद्घाटन प्रयागराज के रि.मुख्य चिकित्सा अधिकारी रहे और जिले के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ नानक शरण ने फीता काटकर किया उद्घाटन कार्यक्रम में जिला अस्पताल के अधीक्षक डॉ विपिन कुमार, डॉ शेषाद्र श्रीवास्तव, डॉ आशीष पाठक, डॉ मंजूषा गुप्ता,काउंसलर ममता खत्री,मौजूद रहे।रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को अयोध्या के पूर्व विधायक जय शंकर पाण्डेय ने सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वालो में संकल्प संस्थान के अध्यक्ष डॉ आशीष पाण्डेय दीपू ने रक्तदान करते हुए स्वैच्छिक रक्तदाता दिवस पर हर युवा को रक्तदान के लिए प्रेरित और जागरूक करने की संकल्प दिलाया।डॉ अशीष पाण्डेय दीपू ने बताया कि संकल्पसंस्थान के तत्वधान में आज 25 युवाओं ने रक्तदान किया है बहुत जल्द जिले स्तर पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा रक्तदान शिविर में आए हुए साथियों को रक्तदान करने वाले युवाओं को धरती का मसीहा बताया।

श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर का 44 वा पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह संपन्न

जौनपुर जनपद की केंद्रीय कमेटी श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर का 44वा पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह मां के जयकारे के साथ मुख्य अतिथि श्रीकला धनंजय सिंह अध्यक्ष जिला पंचायत एवं विशिष्ट अतिथि बृजेश सिंह प्रिशु सदस्य विधान परिषद की गरिमामय उपस्थित एवं अध्यक्ष अनिल अस्थाना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। आयोजन के प्रथम चरण में मां भगवती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ।तदुपरांत मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ तथा विशिष्ट अतिथि को माल्यार्पण कर अध्यक्ष व अन्य सम्मनित सदस्यों द्वारा किया गया। इस मौके पर जनपद के भजन गायक रविंद्र सिंह ज्योति अभिषेक मयंक आशीष पाठक के देवी गीतों ने आयोजनों को भक्ति में कर दिया।

आयोजन की द्वितीय चरण में श्री दुर्गा पूजा महासमिति के निर्णायक मंडल सदस्य विवेक सिंह और अवनींद्र तिवारी योगेश प्रताप सिंह प्रदीप श्रीवास्तव एडवोकेट अल्पना जयसवाल को तथा जनपद की समाजसेवी संगठनों, धार्मिक संगठनों, लंगर समितियां ,विश्व रक्तदान दिवस की पूर्व संध्या पर रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को महासमिति द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वक्त के रूप में अपने उद्बोधन में समाजसेवी डॉक्टर कमर अब्बास संरक्षक मंडल के इंद्रभान सिंह इंदु, श्रीकांत महेश्वरी निखिलेश सिंह, संतोष सिंह, पूर्व अध्यक्ष शशांक सिंह रानू, मोतीलाल यादव, विजय सिंह बागी, ने महासमिति की उपलब्धियां पर प्रकाश डाला।

विशिष्ट अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में बृजेश सिंह प्रिशु सदस्य विधान परिषद ने कहा कि पूजन समितियां पूरे अनुशासन और विधि विधान से माँ की पूजन अनुष्ठान को संपन्न करें शासन एवं जिला प्रशासन से जो भी सहयोग होगा उसके लिए मैं प्रयासरत रहूंगा।इसी क्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकला धनंजय सिंह ने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए महासमिति की संगठनात्मक संरचना की प्रशंसा करते हुए कहा कि शारदीय नवरात्रि की तैयारी में पूर्ण सहयोग रहेगा।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अध्यक्ष अनिल स्थान ने पूजन समितियां को आश्वासत किया कि जनपद की किसी भी पूजन समिति को पूजन से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। मैं दिन–रात आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा हूं।सम्मान समारोह के अंतिम चरण में वर्ष 2022 के शारदीय नवरात्र में आकर्षक सजावट के लिए पूजन समितियां को सम्मानित किया गया। जिसमें पूजन व पडाल व्यवस्था में प्रथम पुरस्कार नवयुग संस्था श्री गोसाई रामलीला मैदान उर्दू बाजार द्वितीय पुरस्कार महाशक्ति संस्था गौशाला परिसर तृतीय त्याग संस्था कोतवाली चौराहा नवयुग धर्म कल्याण समिति अहियापुर तथा झांकी व्यवस्था में प्रथम मां अष्टभुजी संस्था कन्हईपुर द्वितीय पुरस्कार जय मां शीतला दुर्गा पूजा समिति रसूलाबाद पुरस्कार संयुक्त रूप से श्री रास मंडल दुर्गा पूजा समिति एवं भारतीय दुर्गा पूजा समिति जहांगीराबाद तथा चतुर्थ पुरस्कार नवीन नाव रात्रि संस्था भंडारी माल गोदाम एवं दैनिक मार्ग सजावट में प्रथम मयंजली संस्था मियापुर द्वितीय बजरंग दुर्गा पूजा समिति ताड़ताल तृतीय श्री दुर्गा पूजा समिति फल वाली गली ओलंदगंज एवं भारतीय दुर्गा पूजा समिति जहांगीराबाद तथा चतुर्थ मां अष्टभुजी संस्था कन्हईपुर एवं शोभा यात्रा में झांकी व्यवस्था हेतु प्रथम कल्याण संस्था द्वितीय सरस्वती बल ज्ञान संस्था ढालघर टोला तृतीय बाबा बर्फानी दुर्गा पूजा समिति एडवोकेट कॉलोनी तथा चतुर्थ सर्वोदय संस्था एवं मां की भव्य शोभायात्रा हेतु प्रथम सरस्वती बल ज्ञान संस्था ढालगर टोला द्वितीय मां का दरबार बाल संस्था तृतीय पुष्पांजलि संस्था अलफास्टिंगज चतुर्थ पुरस्कार संयुक्त रूप से महाशिव शक्ति संस्था महादेव टोला एवं बाबा बर्फानी दुर्गा पूजा समिति एडवोकेट कॉलोनी को प्रदान किया गया। इसी क्रम में ग्रामीण अंचल की पूजा व्यवस्था हेतु प्रथम नवयुवक दुर्गा पूजा समिति जफराबाद, द्वितीय बाल दुर्गा पूजन उत्सव समिति धनियामऊ तृतीय जय मां विंध्यवासिनी दुर्गा पूजा समिति तथा चतुर्थ पुरस्कार संयुक्त रूप से सेवा समिति श्री दुर्गा पूजा समिति जाफराबाद तथा श्री राम जानकी दुर्गा पूजा समिति यूनियन बैंक के सामने नेवादा बाजार को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भारत के शत्रु सम्पत्ति अभिरक्षक कार्यालय लखनऊ द्वारा स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत सरकार, गृह मंत्रालय, भारत के शत्रु सम्पत्ति अभिरक्षक का कार्यालय, केंद्रीय भवन लखनऊ के प्रांगण में दिनाँक 01 अक्टूबर 2023 को स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया स इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोंगो को स्वच्छता के लिए जागरूक करना था स इस अवसर पर उप सचिव श्री राजेन्द्र कुमार, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, मुख्य पर्यवेक्षक ब्रिगेडियर अरविंदम, मुख्य पर्यवेक्षक ब्रिगेडियर यशपाल सिंह, मुख्य पर्यवेक्षक कर्नल वार्ष्णेय, कानून अधिकारी

शैलेन्द्र कुमार, कानून अधिकारी पूर्वी वर्मा, कैप्टन गोरखनाथ तथा कार्यालय के समस्त कर्मचारी गण उपस्थित थे। उपसचिव श्री राजेंद्र कुमार, गृहमंत्रालय भारत सरकार द्वारा बताया गया कि स्वच्छता ही अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी हैं और जब देश का कोना कोना स्वच्छ रहेगा तब देश का हर नागरिक स्वस्थ रहेगा। इसी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

3 अक्टूबर को आईटीआई लखनऊ मे लगेगा रोजगार मेला

संवाददाता

लखनऊ। प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अन्तर्गत 03 अक्टूबर को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज लखनऊ में बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है।

झुनझुनवाला पीजी कॉलेज में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े का आयोजन

छात्र छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

अयोध्या। राष्ट्र को स्वच्छता का सन्देश देने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154 वीं जयंती के अवसर पर ष्स्वच्छता ही सेवाष पखवाड़े के अंतर्गत झुनझुनवाला पीजी कॉलेज हांसापुर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. करुणेश तिवारी ने छात्र–छात्राओं द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इससे पहले विद्यालय परिसर में छात्राओं ने स्वच्छता अभियान पर केंद्रित विभिन्न तरह के आकर्षक पोस्टर भी तैयार किये। एन सी सी लेफ्टिनेंट तजीन फातिमा के नेतृत्व में विद्यालय परिसर की साफ सफाई भी की गई। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट फातिमा ने कहा कि आज हम लोग प्रधानमंत्री जी के द्वारा ष्स्वच्छता के लिए श्रमदानष के देश व्यापी महाअभियान का हिस्सा बन कर अपनी अयोध्या को स्वच्छ रखने का संकल्प लेना चाहिए।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।